



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 422]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 31, 1977/पोष 10, 1899

No. 422]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 31, 1977/PAUSA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st December 1977

G.S.R. 796(E).—The following Order made by the President is published for general information:—

C. O 108

THE CONSTITUTION (APPLICATION TO JAMMU AND KASHMIR) AMENDMENT ORDER, 1977

In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 370 of the Constitution, the President, with the concurrence of the Government of the State of Jammu and Kashmir, is pleased to make the following Order —

1. (1) This Order may be called the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Amendment Order, 1977.

(2) It shall come into force at once.

2. In paragraph 2 of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954,—

(1) in the opening portion,—

(a) after the words, brackets and figures "the Constitution (Twenty-fourth Amendment) Act, 1971," the words, figures and brackets "section 2 of the Constitution (Twenty-fifth Amendment) Act, 1971," shall be inserted;

(b) for the words, brackets and figures "and the Constitution (Thirty-ninth Amendment) Act, 1975", the words, brackets and figures "the Constitution (Thirty-ninth Amendment) Act, 1975 and the Constitution (Fortieth Amendment) Act, 1976" shall be substituted;

(2) in sub-paragraph (24) (relating to the Ninth Schedule), after clause (b), the following clause shall be inserted, namely:—

“(c) Entries 125 to 188 shall be re-numbered as entries 103 to 166 respectively”.

N SANJIVA REDDY,
President.

[No. F. 19(1)/77-L.]

S HARIHARA IYER, Jr. Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1977

सा० का० नि० 798(अ).—राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्नलिखित आदेश सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है :—

स० आ० 108

संविधान (जम्मू-कश्मीर को लागू होना) संशोधन आदेश, 1977

राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 370 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जम्मू-कश्मीर राज्य की सरकार की सहमति से, निम्नलिखित आदेश करते हैं :—

1. (1) इस आदेश का नाम संविधान (जम्मू-कश्मीर को लागू होना) संशोधन आदेश, 1977 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2 संविधान (जम्मू-कश्मीर को लागू होना) आदेश, 1954 के पैरा 2 में, —

(1) आरम्भिक प्रभाग में,—

(क) “संविधान (चौबीसवा संशोधन) अधिनियम, 1971”, शब्दों, कोष्ठकों और अंकों के पश्चात्, “संविधान (पच्चीसवा संशोधन) अधिनियम, 1971 की धारा 2”, शब्द, अंक और कोष्ठक अन्तःस्थापित किए जाएंगे ;

(ख) “और संविधान (उन्तालीसवा संशोधन) अधिनियम, 1975” शब्दों, कोष्ठकों, और अंकों के स्थान पर, “संविधान (उन्तालीसवा संशोधन) अधिनियम, 1975 और संविधान (चालीसवा संशोधन) अधिनियम, 1976” शब्द, कोष्ठक और अंक रखे जाएंगे ,

(2) (नवम अनुसूची से सम्बन्धित) उप-पैरा (24) में, खंड (ख) के पश्चात् निम्न-लिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“(ग) प्रविष्टि 125 से 188 तक को क्रमशः प्रविष्टि 103 से 166 के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।”

एन० संजीव रेड्डी,
राष्ट्रपति ।

[सं० फा० 19(1)/77 एल-1]

एस० हरिहर अय्यर, संयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिंटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

